Annual Report

Sanjay Gandhi Biological Park, Patna

2016-17

कमलजीत सिंह, भा०व०से०
निदेशक,
संजय गाँधी जैविक उद्यान, पटना।

संदेश

देश के बड़े चिड़ियाघरों में एक एवं बिहार राज्य का एकमात्र चिड़ियाघर ''संजय गांधी जैविक उद्यान'' की स्थापना वर्ष 1969 में राजभवन से स्थानान्तरित 34.00 एकड़ भूमि पर वनस्पति उद्यान के रूप में की गयी थी। कालान्तर में इसमें और भूमि को शामिल कर इसे जैविक उद्यान के रूप में विकसित किया गया। हरे–भरे पेड़–पौधे, आकर्षक फूल पत्तियों एवं अपने साफ–सफाई के साथ–साथ दुर्लभ प्रजातियों के वन्य प्राणियों के समुचित रख–रखाव एवं प्रजननः के कारण इस उद्यान की लोकप्रियता में लगातार वृद्धि हो रही है। इस उद्यान में 92 विभिन्न प्रजातियों के 1214 जानवरों का निवास है। राज्य की जनता के आकर्षण का मुख्य केन्द्र यह उद्यान वर्ष 2016–17 में कुल 29 लाख दर्शकों को आकर्षित करते हुए 8.5135 करोड़ रूपये का राजस्व संग्रहित हुआ जो इसकी लोकप्रियता का भी परिचायक है। गैंडा एवं घड़ियाल जो संकटापन्न प्रजाति हैं, के सफल प्रजनन के लिए भी इस चिड़ियाघर को देश–विदेश में ख्याति मिली है। घड़ियाल को गंडक नदी में पुनर्वासित करने की एक विशेष प्रायोगिक योजना के तहत् चिड़ियाघर में प्रजनित घड़ियालों को नदी में छोड़ा गया है।

उद्यान में उपलब्ध सभी जानवरों के उत्तम स्वास्थ्य व्यवस्था, उद्यान के रख–रखाव को उच्चतम स्तर पर बनाए रखने एवं आने वाले दर्शकों के दिलों में जानवरों के प्रति संवेदना पैदा करने के लक्ष्यों के प्रति उद्यान प्रशासन सचेष्ट है।

वार्षिक प्रतिवेदन में उद्यान के गतिविधियों की झलक के साथ–साथ महत्वपूर्ण आंकडे भी सन्निहित किये गये हैं जो उद्यान के उत्तरोत्तर विकास एवं इसकी उपलब्धियों को परिलक्षित करते हैं।

(कमलजीत सिंह)

भारत ज्योति
अपर प्रधान मुख्य वनसंरक्षक–सह–
वन्यप्राणी प्रतिपालक,
बिहार, पटना।

संदेश

संजय गाँधी जैविक उद्यान, पटना राज्य के अत्यंत लोकप्रिय स्थानों में एक है। जैविक उद्यान जनमानस में वन्यप्राणी के संबंध में जानकारी देने एवं इनके संरक्षण हेतु जागृति तथा उत्प्रेरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। लगातार बढ़ते दर्शकों की संख्या इंगित करता है कि यह उद्यान अपने लक्ष्य में सफल हो रहा है।

यहाँ उपलब्ध वन्यजन्तुओं के उत्कृष्ट पोषण, जीवनचर्या में यथासंभव उत्तरोत्तर सुधार तथा स्वास्थ्य अनुरक्षण की व्यवस्था में संवर्द्धन सतत् प्रक्रिया है जिसके प्रति उद्यान प्रबन्धन प्रतिबद्ध है। यहाँ उपलब्ध सुविधाओं को उन्नत करने का निरंतर प्रयास जारी है जिससे उद्यान में आने वाले दर्शकों को एक सुखद अनुभव हो एवं वे वन्यप्राणियों के प्रति प्रेम की भावना लेकर घर लौटें।

(भारत ज्योति)

07 नवम्बर, 2017

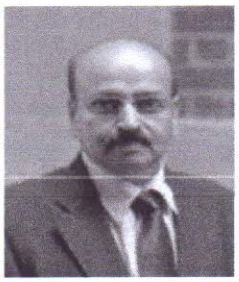

डॉ0 डी0के0शुक्ला, भा0व0से0
प्रधान मुख्य वन संरक्षक(HoFF)
बिहार पटना।

संदेश

संजय गांधी जैविक उद्यान देश के बड़े चिड़ियाघरों में एक है एवं बिहार राज्य का एकमात्र चिड़ियाघर है। पिछले वर्षों में जैविक उद्यान में महत्वपूर्ण संकटग्रस्त प्रजातियों का सफल प्रजनन, दर्शकों की संख्या तथा राजस्व में आशातीत बढ़ोत्तरी हुई है जो इस बात का संकेत है कि उद्यान के पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पूरे मनोयोग से कार्य किया है। प्रजातियों के संरक्षण के साथ ही वन एवं वन्यप्राणियों के संबंध में आम लोगों को शिक्षित करने के संबंध में भी पिछले एक वर्ष में अभिनव प्रयास किए गए हैं।

आशा है आगामी वर्षों में वन्य जीवों के संरक्षण एवं प्रजनन तथा जन्तुओं के प्रदर्श को आधुनिक एवं वैज्ञानिक बनाने के साथ यह उद्यान दर्शकों को और अधिक सुविधा प्रदान करेगा।

(डी0के0शुक्ला)

विषय सूची

क्रमांक	विषय	पृ०सं०
1	**भूमिका / परिचय एवं संक्षिप्त इतिहास**	**1–2**
2	**वन्य जीव संरक्षण**	**3–6**
	(क) जन्म–मृत्यु	3–5
	(ख) आदान–प्रदान	6
	(ग) राहत एवं बचाव	6
3	**वन्यजीव चिकित्सा एवं पोषण**	**7–14**
	आहार विवरणी	7–13
	वन्यजीव चिकित्सा	13
	कीड़ामुक्ति	14
	टीकाकरण	14
4	**वन्यजीव जागरूकता कार्यक्रम**	**14–22**
	व्याघ्र दिवस	15–16
	राईनो दिवस	16–17
	वन्यप्राणी सप्ताह	18–19
	गौरैया दिवस	19–21
	जू शिक्षा केन्द्र	21–22
5	**जन सुविधायें**	**23–24**
6	**वन्यजन्तुओं के लिए निर्माण कार्य।**	**24–27**
	लेपर्ड केज	24–25
	निशाचर घर	26–27
7	**अन्य प्रमुख निर्माण**	**27–30**
	शिशु उद्यान	27–28
	गेट न० 2 का उन्नयन	29–30
	शौचालयों का जीर्णोद्धार	30
8	**दर्शकों को पास की सुविधा**	**30–31**
9	**दर्शकों की संख्या एवं राजस्व**	**31–33**
	प्रवेश शुल्क	31–32
	समय सारिणी	32
	दर्शकों की संख्या एवं राजस्व	33
10	**वित्तीय विवरणी**	**34–36**
11	**स्वीकृत एवं धारित बल**	**37**
12	**अनुलग्नकः**	**38–51**
	विभिन्न जानवरों की सूची	38–44
	स्वतंत्र विचरण करने वाले पक्षियों की सूची	45–46
	स्वतंत्र विचरण करने वाले सरीसृप की सूची	47
	वृक्षों की सूची	48–51

Map of Patna Zoo